Ganv Ki Nasamjh Chhori Ki Madmast Chudai- Part 4

Added : 2015-12-21 00:15:37

अब तक आपने पढ़ा..
अब मैंने बल्लिो को उल्टा लटिा दयिा और पीछे से लण्ड उसकी बुर पर रगड़ने लगा। कुछ ही समय में वह पनयिा गई.. तो उसकी बुर में फरि से लण्ड एक बार में ही डाल कर चोदने लगा। लेकनि मेरा ध्यान उसकी गाण्ड पर था। बल्लिो तो जानती नहीं थी कि उसे पीछे से क्यों चोद रहा हूँ..। मैं बल्लिो को कुतयिा की तरह चोदने के बाद उसकी बुर में जब धक्का लगाने लगा.. तो बोली- चाचा.. कुत्ता भी ऐसे ही करता है ना?
'हाँ..'
मैंने उसकी चूचयिों को पकड़ कर जब चोदना शुरू कयिा तो 'चा..चा.. आ..आ.. ज़ोर से पे..ली ये.. म..जा.. आ.. र..हा है.. मेरी चूत को पूरी तरह से रस से भर दीजएि..'
यह कह कर वह खड़ी हो गई और जब तक मैं समझ पाता.. उसने मेरे लण्ड को मुँह में ले लयिा।
अब आगे..

बल्लिो ने जैसे ही मेरे लंड को चूसना चालू कयिा तो मैं खड़ा हो गया और बल्लिो का सर को पकड़ कर उसे उत्तेजति करने लगा।

मुझे आगे कुछ बोलने का कोई मौका दएि बनिा.. वो मेरे पैरों को पकड़ कर नीचे बैठ गई और मेरा लंड मुँह में लेकर जोर-जोर से चूसने लगी। उसकी कांखों के नीचे से हाथ नकिाल कर मैं बल्लिो के मम्मे दबाने लगा, कभी बाँया वाला और कभी दाँया वाला चूचा सहलाने लगा और मैंने बड़े ही आराम से अपने लगि को बल्लिो के मुँह के अन्दर धकेल दयिा तथा आहस्ति-आहस्ति धक्के देकर अन्दर-बाहर करने लगा।
मुख-मैथुन की क्रयिा करते हुए लगभग पांच मनिट ही हुए थे.. जब बल्लिो को मेरे लगि में से नमकीन सा पूर्व मैथुन रस नकिलने का स्वाद आया, तब उसने मुझे थोड़ा रुकने का संकेत दयिा।

मैं बल्लिो की गर्दन पर भी चुम्बन कर रहा था और फुसफुसा भी रहा था- मुझे कुछ नहीं करना है.. सर्फि तुम्हें आनन्द देना है।

वास्तव में लगि चूसने से बल्लिो तो मानो सातवें आसमान पर पहुँच गई थी। अब तो वो मेरे मूसल चंद से रगड़ाई के झटकों का इंतज़ार कर रही थी। उसकी तेज-तेज चुसाई से मेरे लण्ड महाराज का अत्यंत स्वादष्टि प्रथम रस (प्री-कम) उसके मुँह में जाना शुरू हो गया था।
यह महसूस करके मैं बोला- कैसा लग रहा इसका स्वाद?
बोली- बहुत स्वादष्टि है.. कुछ मीठा और कुछ नमकीन।

मैं बोला- क्या मेरा सारा रस तुम मुफ्त में पी जाओगी और एवज मुझे कुछ नहीं दोगी? उठो.. और बस्तिर के ऊपर आकर लेटो.. ताकि मैं भी तुम्हरी चूत का रस पी सकूँ।

'अभी लो चाचा जी..!' उसने कहा और झट से बस्तिर पर आ कर लेट गई।

फरि तो हम दोनों 69 की अवस्था में लेट कर उसकी टाँगें चौड़ी करके चूत रानी को चूसने लगा और वो मेरे लण्ड राजा के लाल सुपाड़े को चाटने में जुट गई।
मैं कभी बल्लिो की सलोनी चूत में अपनी जीभ डालता तो कभी उसके अन्दरूनी होंठ चूसता। लेकनि जब उसके छोले पर जीभ चलाता तो उसकी चूत के अन्दर अजीब सी गुदगदी होती और मुझे लगता कि वो जन्नत में पहुँचने का आनन्द ले रही है।

हम दोनों की इस चुसाई से उत्तेजित होकर हमारे दोनों के मुँह से ‘उंहह्ह.. उंहह्ह..’ और ‘आह.. आह्ह्ह..’ की आवाजें निकलने लगी थीं।
उसका तो यह हाल था कि चूत का पानी भी निकलने लगा था.. जिसे मैंने बड़े मजे से पी लिया था और मुझे उसका नमकीन रस इतना मजा दे रहा था कि मैं तो डकार भी नहीं ले रहा था।

तब मैंने देखा कि मेरा रस छूटने के बाद भी लण्ड महाराज अभी भी लोहे की छड़ की तरह अकड़ा हुआ है और वह अगली चढ़ाई के लिए तैयार है।
मैंने बिल्लो की टाँगें चौड़ी कर दीं और उसकी गाण्ड को देखने लगा।
मैं बोला- यह तो बहुत नाजुक सी लग रही है, क्या यह इस बड़े लौड़े को गाण्ड में झेल पाओगी?
बिल्लो ने पूछा- क्या करना है.. आप तो ये बोलिए?
चाचा- जाकर तेल की शीशी ले आओ।

बिल्लो ऑलिव आयल की शीशी ले आई और तेल लेकर लंड पर डाल दिया। दोनों हाथों से लंड महाराज की मालिश करने लगी, तेल लगाने से लौड़े का रंग बदलने लगा और काफी लंबा भी हो गया।

‘बाप-रे-बाप.. यह तो और भी लंबा हो गया चाचा.. देखो.. आपका ये कैसा लपलपा रहा है और चमक रहा है।’
मैं- क्या तुम फिर से चुदने के लिए तैयार हो ना?

बिल्लो ने शर्मा कर सर झुका लिया। फिर मैंने उसे उकडू बना कर बैठा दिया और लंड को उसकी गाण्ड पर रख कर एक धक्का लगाया की ‘पूच्च..’ से सुपाड़ा कार्क के माफिक जाकर गाण्ड के छेद में अड़ गया..
बिल्लो चहुँक गई। मैं अपने दोनों हाथों से उसके चूचों को दबाते हुए बिल्लो को अपने गोद में ज्यों ही बैठाया लण्ड सरसरा कर गाण्ड में पूरा ठस गया।
झुक कर बिल्लो ने देखा कि उसने मेरा दस इंच का लंड के सुपारे को कैसे अपनी गाण्ड में चपिका लिया है।
वो दर्द से बिलिबिला रही थी।

इसके बाद मैंने अपना लण्ड लाल.. जो इस समय अपने पूरे उफान पर था और पूरे आकार का हो चुका था बिल्लो की गाण्ड के मुँह के पास रख दिया और हलके से धक्के मार कर उसे अन्दर घुसेड़ने लगा। उसकी चूत जो पूरी खुल चुकी थी और उस समय लण्ड की इतनी भूखी लग रही थी कि उसका मुँह अपनेआप खुलने लगा और देखते ही देखते उसने मेरे लौड़े के सुपारे को अपनी गाण्ड में निगिलना शुरू कर दिया।

मैं उसकी यह हिमाकत देख कर बहुत हैरान हुआ और जोश में आ कर एक जोर का धक्का दे मारा।

फिर क्या था बिल्लो की तो ‘चूं’ बोल गई और उसके मुँह से एक जोर की चीख ‘आईईईईए..’ निकिल गई।

मैं एकदम से उसके ऊपर झुक गया और उसके सामान्य होने तक वैसे ही रुका रहा। मैं उसकी चूचियों को दबाता रहा तथा उसे जोर से चूमता रहा।

जब वो कुछ ठीक हुई.. तब उसने मुझसे पूछा- कितना गया?
तो मैंने कहा- अभी तो आधी सजा मिली है। बाकी आधी सजा के लिए तैयार हो.. तो बताओ।
जब उसने हामी भर दी.. तब मैंने कस कर एक और धक्का मारा और अपना पूरा लंड उसकी गाण्ड की जड़ में पहुँचा दिया।

वो एक बार दर्द के मारे फिर ‘आईईए आईईए..’ करके चिल्ला उठी।

मुझे भी लगा कि शायद गाण्ड फट गई है और इसीलिए इतना दर्द हो रहा है।
किसी चूत की सील टूटने पर और बेटे के होने पर भी इतनी दर्द नहीं होता है.. जितना कि अब उसे हो रहा था।
मैं उसकी तकलीफ को समझते हुए रुक गया था और अपना दाहिना हाथ उसकी चूत के ऊपर उगे हुए बालों के ऊपर रखा और थोड़ा दबाया और उसके ऊपर लेट गया।

मैंने अपने बाएं हाथ से चूची को मसलते हुए पूछा- अब कैसा लग रहा है? अगर तुम कहती हो तो मैं निकाल लेता हूँ.. नहीं तो जब कहोगी तभी आगे सजा दूंगा।
कुछ ही पलों के बाद उसे दर्द से निजात मिल गई और उसने हरी झण्डी दे दी।
बस मैंने गाण्ड की ठुकाई शुरू कर दी साथ ही उसकी चूत का उंगली चोदन भी करने लगा।

कुछ ही देर में उससे नहीं रहा गया, वो चिल्ला उठी- चाचा जी.. और तेज.. और तेज आह.. आह.. मैं गईईए.. गईईईए.. गईईए.. गईईई..

उसका जिस्म अकड़ गया और उसकी गाण्ड मेरे लण्ड से चिपक गई। इसी समय मेरी भी हुंकार निकल गई और लण्ड उसकी गाण्ड में जोर से फड़फड़ाया। एक ज़बरदस्त पिचकारी छूटी और बिल्लो तो उस समय के आनन्द में मेरे रस की नदी में बह गई।

अगले अंक मे पढ़िए.. बिल्लो ने अपनी सहेली को मुझसे चुदने के लिए कैसे उकसाया।
skmitra35@gmail.com

« Back To Home

For more sex stories Visit: AntarVasna.Us